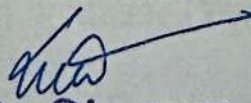


तरमीम कर दी गई जो अशुद्ध है। ख.न. 884 की तरमीम पुराने कब्जा मौका अनुसार दुरुस्त करने के लिये प्रार्थी ने दिनांक 18.02.2021 को अप्रार्थी को आवेदन किया किन्तु कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई तथा अप्रार्थी ने प्रार्थी को सक्षम न्यायालय में विधिक प्रक्रिया अपनाये जाने हेतु निर्देशित किया। नवीन सैटलमेंट के दौरान विभाग के कर्मचारियों द्वारा मौके की व कब्जे बाबत वास्तविक जाँच किये बिना भूमि ख.न. 884 रकबा 0.38 है. की नवीन राजस्व नक्शा में अशुद्ध तरमीम की गई उसे शुद्ध किया जाना न्यायोचित व प्राथनीय है। उक्त अशुद्धि की प्रार्थी को जानकारी होने पर उक्त आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो निर्धारित न्याय शुल्क पर है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जाकर अप्रार्थी को आदेशित फरमाया जावे कि प्रार्थी व प्रार्थी के माईयों कि खातेदारी भूमि खसरा नम्बर 884 रकबा 0.38 हैक्ट. ग्राम पाटन के वर्तमान राजस्व नक्शा में खातेदारान के मौका कब्जा अनुसार तरमीम दुरुस्त की जावे।

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर करवाया जाकर अप्रार्थी ने जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थी बावजूद सम्यक तामील अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध एक पक्षिय कार्यवाही अमल में लायी गई एवं तहसीलदार से प्रकरण तथ्यात्मक रिपोर्ट ली गई एवं बहस वकील प्रार्थी सुनी गई।

दौराने बहस वकील प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र कथनों का दौहरान करते हुये थन किया कि भूमि ख.न. 884 पुराने ख.न. 525/1 रकबा 0.38 है. ग्राम पाटन गारे पिता को आवंटित हुई थी। पूर्व में हमारे पिता व उनके फौत होने पर मैं व मेरा ई फतेहमोहम्मद व शंकूर काश्त करते आ रहे है। मौके पर चार दिवारी बना रखी। आवंटन के समय भूमि की तरमीम नहीं की गई। नवीन सैटलमेन्ट के समय हमारे बजे के विपरीत गलत जगह तरमीम कर दी गई। जहां हमारा कभी कोई कब्जा काश्त नहीं रहा। वहां मौके पर पहाड़ है। पटवारी जी व तहसीलदार जी ने भी मौका की जाँच कर रिपोर्ट पेश की है। जिससे मेरा प्रार्थना पत्र साबित होता है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जावे रिपोर्ट अनुसार तरमीम दुरुस्ती के आदेश दिये जावे।

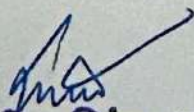

राजवीर सिंह यादव
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)



बहस वकील प्रार्थी सुनने व पत्रावली में उपलब्ध रिकार्ड दस्तावेज एवं रिपोर्ट पटवारी हल्का एवं तहसीलदार पाटन का अवलोकन करने पर पाया गया कि राजस्व रिकार्ड जमाबंदी सम्वंत 2075 से 2078 अनुसार राजस्व ग्राम पाटन के भूमि खसरा नम्बर 884 रकबा 0.38 है 0 किस्म बारानी 3 की खातेदारी कमरु पुत्र सुभान हि. 1/3, फतेहमोहम्मद पुत्र सुभान हि. 1/3, शकूर पुत्र सुभान हि. 1/3 जाति मनियार सा. देह के नाम दर्ज रिकार्ड है। रिपोर्ट पटवारी हल्का एवं तहसीलदार पाटन से जाहिर है कि खसरा नम्बर 884 की खातेदारी प्रार्थी के पिता सुभान पुत्र छोटू को जरिये अलॉटमेंट ना0क0 संख्या 392 दिनांक 25.04.81 द्वारा प्राप्त हुई है। वर्तमान राजस्व नक्शों में जहां भूमि ख.न. 884 को दर्शा रखा है वहां पर प्रार्थी का अलॉटमेंट न लेकर अब तक कोई कब्जा काशत नहीं है तथा मौके पर पहाड़ है। प्रार्थी का ख.न0 915/3 रकबा 3.7960 है. में से 0.38 हेक्ट. (सिवाय चक) भूमि पर कब्जा है उसे नक्शे में लाल स्याही से अंकित कर रखा है। वरवक्त आवंटन आवंटित भूमि की तरमीम नहीं करने एवं नवीन भू-प्रबन्ध में उक्त ख.न. 884 रकबा 0.38 है. की गलत तरमीम की गई है जो मौके व रिकार्ड के विपरीत है।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर यह पूर्णतया सिद्ध होता है कि वरवक्त आवंटन आवंटित भूमि पुराना ख.न. 525/1 रकबा 0.38 है. नये ख.न0 884 रकबा 0.38 है. की तरमीम नहीं होने एवं नवीन सैटलमेन्ट के समय बिना कब्जे काशत की जा च किये कब्जे के विपरीत तरमीम हुई है। जहां वर्तमान में प्रार्थी व उसके भाईयों का कब्जा काशत है वह भूमि सिवाय चक दर्ज है एवं जहां ख.न. 884 की तरमीम हुई है वह मौके पर पहाड़ है जिस पर प्रार्थी के कब्जा काशत के कोई निशानात भी नहीं मिले गये है। प्रार्थी की तरमीम दुरुस्त की जाती है तो सिवाय चक भूमि की भी तरमीम दुरुस्त होती है। जिसमें किसी प्रकार की कोई राजकीय हानि भी नहीं होती अतः तरमीम दुरुस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र भू- राजस्व नियम 1956 की धारा 136 के तहत काबिले दुरुस्ती पाये जाने से स्वीकार किया


राजवीर सिंह यादव
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)

जाता है। तथा तहसीलदार पाटन को आदेश दिया जाता है कि ग्राम पाटन के भूमि ख०न० 884 रकबा 0.38 है० किस्म बारानी 3 की तरमीम प्रस्तावित नजरी नक्शा परिशिष्ट-1 में ख०न० 915/3 में लाल स्याही से दर्शाये गये स्थान पर की जावें एवं जहां पर ख.न. 884 रकबा 0.38 है. की तरमीम की हुई है उसे सिवाय चक दर्ज कि जाकर रिकार्ड व नक्शे में दुरुस्ती करें। तद्वानुसार पालना हेतु तहसीलदार, पाटन को निर्णय व नक्शा परिशिष्ट - 1 की प्रति तहरीर के साथ भेजी जावें।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।



(राजवीर सिंह यादव)
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना

राजवीर सिंह यादव
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)